कृषि विज्ञान केन्द्र, चौमूँ द्वारा झोटवाड़ा क्लस्टर के सहायक कृ षि अधिकारी एवं कृषि पर्यवेक्षकों का खरीफ फसल उत्पादन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

कृषि विज्ञान केन्द्र, चौमूँ (टांकरड़ा) द्वारा आज दिनांक 2 अगस्त–2023 को झोटवाड़ा क्लस्टर के सहायक कृषि अधिकारी एवं कृषि पयवेक्षकों का ''खरीफ फसल एवं सब्जी उत्पादन तथा समन्वित कीट व रोग प्रबंधन'' विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में डॉ. एस. एस. राठौड़, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, चौमूँ ने झोटवाड़ा, आमेर, जालसू एवं गोविन्दगढ़ पंचायत समितियों के 100 से भी अधिक सहायक कृषि अधिकारी एवं कृषि पर्यवेक्षकों को स्वागत उद्‌बोधन में सम्बोधित करते हुए कहा कि किसानों तक नवीनतम तकनीक पहुंचाने के लिए कृषि विज्ञान केन्द्र एवं सभी कृषि प्रसार अधिकारी व कर्मचारी समन्वित होकर कार्य करने से अधिक लाभान्वित हो सकते है। केन्द्र के द्वारा विगत वर्षों में किये गये कार्यों एवं गतिविधियों की जानकारी विस्तार से अवगत करायी। इस कार्यक्रम में केन्द्र के उद्यान वैज्ञानिक, श्री नवल किशोर गुप्ता ने खरीफ ऋतु में उगायी जाने वाली सब्जियों की उन्नत किस्मों की जानकारी एवं आज के परिपेक्ष्य में कृषि प्रसार अधिकारी व कर्मचारी डिजीटल सेवाओं का उपयोग किसानों की सेवा में कैसे करे, विस्तारपूर्वक जानकारी दी। केन्द्र के सस्य वैज्ञानिक, डॉ. बाबूलाल यादव ने अर्न्तराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष–2023 एवं खरीफ फसलों में उन्नत सस्य प्रबंधन, जिसमें प्रमुख रूप से समन्वित खरपतवार प्रबंधन है, के बारे में जानकारी दी। इसके अतिरिक्त केन्द्र पौध संरक्षण वैज्ञानिक, डॉ. इरफान खान ने खरीफ फसलों में समन्वित कीट व रोग प्रबंधन की विस्तृत रूप से जानकारी देकर समस्त प्रशिक्षणार्थियों को प्रश्नोत्तरी के माध्यम से उनकी समस्याओं का समाधान किया। सहायक कृषि निदेशक, श्रीमती लक्ष्मी यादव ने कृषि विज्ञान केन्द्र का आभार प्रकट करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम समय–समय पर आयोजित किये जाने चाहिए ताकि कृषि प्रसार अधिकारियों व कर्मचारियों को उन्नत एवं नवीनतम तकनीकों की जानकारी किसानों तक पहुंचाने में सुविधाजनक रहे। साथ ही यह भी कहा कि आप सभी को किसानों की आय बढाने हेतु केन्द्र के वैज्ञानिकों के साथ समय–समय पर सलाह लेते रहने संपर्क करते रहना चाहिए। प्रशिक्षण के अन्त में सभी प्रशिक्षणार्थियों ने केन्द्र पर स्थापित विभिन्न इकाईयॉ जैसे– बकरी पालन, मुर्गीपालन, अजौला, वर्मी कम्पोस्ट, नर्सरी, सब्जी पौध उत्पादन, प्राकृतिक खेती इकाई आदि का भ्रमण किया। उप निदेशक आत्मा, राजस्थान सरकार, श्री रामकुवार जाट भी उपस्थित थे।

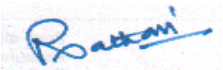

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष
कृषि विज्ञान केन्द्र, चौमूँ